बाल विवाह

हम बच्चे हैं, हम अच्छे हैं।
कुछ कच्चे हैं, पर सच्चे हैं।

घर में सबको हम प्यारे हैं।
घर में सब हमको प्यारे हैं।

थोड़ा पढ़ना, थोड़ा लिखना।
फिर खेलकूद - मस्ती करना।

पल में यारी, पल में लड़ना।
पल में हँसना, पल में रोना।

यही हमारा जीवन है,
स्वर्ग सरीखा बचपन है।

बचपन में शादी करवाकर,
यह स्वर्ग न हमसे छीनो तुम।

जीवन में आगे बढ़ने का,
हमसे अधिकार मत छीनो तुम।

उचित समय आने पर ही, हर काम सही कहलाता है।
बाल विवाह के दानव का, मानवता से क्या नाता है।

नव्या अग्रवाल
6th 'A'